यीशु शैतान और शैतान के शोषण से छुड़ाने वालों से अधिक शक्तिशाली है।

(जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें अध्ययन डी 2 ब पढ़ना चाहिये)

प्रार्थना: "प्रभु यीशु आप स्वर्ग से पृथ्वी पर राज्य करते हैं। कृपया अपना प्रेम दिखायें और दुष्ट आत्माओं से छुड़ाकर उन सब पर जो समुदाय में आपकी ओर आते हैं सामर्थ प्रगट करें"।

लोगों की आवश्यकताअनुसार गतिविधियों का चयन करें।

1. **अपने स्वंय को प्रार्थना और वचन में तैयार करें कि जो लोग दुष्ट आत्मा के सताये हैं उनसे यीशु के नाम में व्यवहार कर सकें।**

नोट: जब शैतान एक व्यक्ति को सताता है, बाइबल कहती है कि व्यक्ति में दुष्ट आत्मा है या अशुद्ध आत्मा है। यीशु दोनों शारीरिक और आत्मिक शोषण को चंगा कर सकता है। एक दुष्ट आत्मा व्यक्ति को सता सकती है और लोगों से विचित्र कार्य कराती है, पर बाइबल सही अनुवाद किया गया, में नहीं कहती कि आत्माए व्यक्ति में समा सकती या किसी की आत्मा को "ले" नहीं सकती।

यीशु ने अपने प्ररितो को दिखाया कि लोगों को किस प्रकार आत्मा से छुड़ाया जाये। **मत्ती 15:22-28** में खोजें कि यीशु ने किस प्रकार एक मूर्तिपूजक लड़की में से दुष्ट आत्मा निकाली।

- अपनी बेटी के एवज में किसने यीशु की सहायता मांगी? *(देखे पद 22)*
- दुष्ट आत्मा लड़की को क्या कर रही थी?
- यीशु के चेलों ने स्त्री के साथ क्या किया? *(पद 23)*
- क्या वह धर्मी थी और सहायता की हकदार थी? *(23-27)*
- यीशु ने मां की क्या विशेषता बताई? *(पद 28)*
- यीशु ने महिला को किसका आश्वासन दिया?
- उस लड़की को ठीक होने में कितनी देर लगी?

मत्ती 17:14-21 में खोजें कि यीशु ने किस प्रकार एक यहूदी लड़के को दुष्ट आत्मा से चंगा किया।

- अपने पुत्र के बदले किसने यीशु की सहायता मांगी? *(देखें पद 14)*
- दुष्ट आत्मा लड़के के साथ क्या कर रही थी? *(15)*
- यीशु के चेले लड़के के लिये क्या करने मे असफल रहे? *(16)*
- किस प्रकार के लोगों को दुष्ट आत्माओ से परेशानी होती है? *(17)*
- यीशु ने दुष्ट आत्मा के साथ क्या किया? *(17 एवं 18)*
- यीशु के चेले क्यों दुष्ट आत्मा नहीं निकाल सके? *(20)*
- दुष्ट आत्माओं को भगाने के लिये हमें क्या करना चाहिये? *(पद 21)*

लूका 10:17-20 में खोजें शैतान पर सामर्थ के लिये यीशु के चेलों ने क्या सीखा।

- चेले किसके अधिकार से लोगों को दुष्ट आत्माओं से आज़ाद कर सकें? *(देखें पद 17)*
- यीशु ने किस प्रकार के अधिकार का बयान किया जो उसके चेलों के पास है? *(पद 18)*
- कौन शाक्तिशाली विश्वास करने वाले चेले या दुष्ट आत्माएं? *(20)*
- आत्माओं के ऊपर अधिकार होने की अपेक्षा कौन सा सत्य विश्वासियों को आनन्दित करता है?

यीशु के चेलों ने लोगों में से दुष्ट आत्माएं निकाली।

प्रेरित 16:16-19 में ढूंढें कि किस प्रकार पौलुस और सिलास ने लड़की में से दुष्ट आत्मा को निकाला

- लड़की में किस प्रकार की आत्मा थी? *(पद 16)*
- लोगों ने उस आत्मा के साथ लड़की का किस प्रकार शोषण किया?
- क्या आत्मा पौलुस और उसके सह कर्मियों को जानती थी? *(17)*
- किस प्रकार पौलुस ने उस आत्मा से छुटकारा पाया? *(18)*

- उसने कितनी जल्दी लड़की को छोड़ दिया? *(18)*
- लड़की के स्वामियों ने क्या किया? *(19-21)*

प्रेरित 19:11-20 में खोजें कैसे पौलुस ने समुदाय को आत्माओं से छुड़ाया।

- पौलुस के पास आत्माओं के ऊपर किस प्रकार का अधिकार था? *(देखें पद 11 एवं 12)*
- जब अविश्वासी यीशु का नाम प्रयोग करने लगे तब क्या हुआ? *(13-16)*
- आत्माओं को भगाने के लिये किस नाम को लेना चाहिये? *(17)*
- चीजों से क्या करना चाहिये? *(18-19)*
- जहाँ कहीं भी हम लोगों को आत्माओं से छुटकारा दिलायें तो क्या सन्देश प्रचार करना चाहिये? *(20)*

2. अगले सप्ताह की अपने सहकर्मियों के साथ आने वाले सप्ताह की गतिविधियों की योजना बनायें

- जिस प्रकार की आत्मायें समुदाय में लोगों को तंग कर रही हैं उन पर साथ बैठकर वार्ता करें।
- पता करें कि आपका कोई सहकर्मी या एक विश्वासी प्रभु के द्वारा अगुवाई पाकर कि दुष्टआत्मा से ग्रस्त के लिये प्रार्थना करे और उन्हें छुटकारा पाया हुआ।
- साथ प्रार्थना करें और प्रभु से कहें कि वो आपको उन लोगों की ओर अगुवाई करे जिसके लिये आपको प्रार्थना करनी है। जिससे कि वे दुष्टात्मा की पीड़ा से छुटकारा पा लें।

- अधिक अनुभवकारी मसीही कार्यकर्ता के साथ समय नियुक्त करें, कि उनके अनुभवों को जो दुष्टात्माओं से छुटकारा दिलाने को जान सके।
- एक साथ तैयारी करें कि आप कैसे यीशु के विषय सुसमाचार उन लोगों को बतायेंगे जिनके छुटकारे के लिये आप प्रार्थना करने जा रहे हैं।
- एक साथ सहमत हों कि आप दुष्टआत्मा को निकालने को खुला दृश्य नहीं बनायेंगे पर खुलें आम यीशु के सुसमाचार की घोषणा करेंगे और निकालने की प्रक्रिया केवल उस समय करेंगे जब किसी को आवश्यकता हो!

3. अपने सहकर्मियों के साथ अगामी आराधना के समय पृष्ठ 22 की योजना बनायें

पढ़ें या अपनी याद से यीशु और उसके प्रेरितों की कहानी को बतायें कि उन्होंने लोगों को दुष्टआत्मा से छुटकारा दिलाया! यदि आप कहानी का भाग एक बतायें तो आप ये प्रश्न पूछ सकतें हैं।

वे लोग जिन्हें दुष्टात्माओं से छुड़ाया गया, उनके विषय विश्वासियों को बताने दें।

दुष्टाआत्माओं से ग्रसित लोगों के विषय बहुत से तथ्यों को बतायें।

- बहुत सी बीमारियां परमेश्वर आने देता है और वे शैतान दुष्टआत्माओं से नहीं आती।
- लोगों के पापमय व्यवहार दुष्टआत्माओं से नहीं परंतु स्वयं के हृदय से आती है!
- शैतान और दुष्टात्माएं भय में लोगों को धोखा देती हैं, कि उनके पास परमेश्वर से अधिक सामर्थ हैं!
- सभी विश्वासियों के पास दुष्टआत्माओं से ग्रास्त लोगों को छुटकारा दिलाने के लिये प्रार्थना करने का अधिकार है।
- जब दुष्टात्माये हमारे सुसमाचार की शिक्षाओं को देने में बाधा हैं, तो हमें उन्हें चले जाने के लिये आज्ञा देनी चाहिये।

जो कुछ बच्चों ने तैयार किया है उन्हें प्रस्तुत करने दें।

प्रभु की मेज का परिचय करने के लिये यूहन्ना 13:21–27 पढ़ें या बतायें यहूदा ने यीशु के साथ अन्तिम भोज में धोखे से रोटी तोड़ी और तब शैतान यहूदा में समा गया।

दो तीन लोगों के झुण्ड से प्रार्थना करें और एक दूसरे को प्रोत्साहित करें और योजनायें बनायें!

मत्ती 3:16 साथ साथ **कंठस्थ करें।**

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net